This question paper contains 2 printed pages. **Your Roll No. ....**

Sl. No. of Ques. Paper	: 7804	**GC**
Unique Paper Code	: 52051122	
Name of Paper	: MIL, Hindi-B (हिन्दी भाषा और साहित्य — 'ख')	
Name of Course	: B.Com. (Prog.)	
Semester	: I	
Duration	: 3 hours	
Maximum Marks	: 75	

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।

अथवा

छुअत सिला भइ नारि सुहाई। पाहन तें न काठ कठिनाई।।
तरनिउ मुनि घरिनी होइ जाइ। बाट परइ मोरि नाव उड़ाई।।
एहिं प्रतिपालउँ सबु परिवारु। नहिं जानउँ कछु अउर कबारु।।
जौं प्रभु पार अवसि गा चहहू। मोहि पद पदुम पखारन कहहू।।

(ख) बतरस-लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करैं भौंहनु हंसे, दैन कहैं नटि जाई।।

अथवा

इंद्र जिमि जंभ पर वाड़व सुअंभ पर, रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।
पौन वारिवाह पर संभु रतिनाह पर ज्यों सहस्रबाहु पर राम द्विजराज है।।
दावा द्रुमदंड पर चीता मृगझुंड पर भूषण बितुंड पर जैसें मृगराज है
तेज तम-अंस पर कान्ह जिमि कंस पर, त्यों मलेच्छ-बंस पर सेर सिवराज है।।

(ग) मेरा मन्दिर, मेरी मस्जिद
काबा-काशी यह मेरी।
पूजा-पाठ, ध्यान-जप-तप है।
घट-घट वासी यह मेरी।।

अथवा

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव
नवल कंठ, नव जलद-मन्द्र रव;
नव नभ के नव विहंग-वृंद को
नव पर, नव स्वर दे।
वर दे, वीणावादिनी वर दे। 10,10,10

P. T. O.

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए:

   (क) बिहारी

   (ख) भूषण। 10

3. कबीर ने साधु की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं? स्पष्ट कीजिए।

   अथवा

   'रामचरित मानस' के केवट-प्रसंग में अभिव्यक्त भाव-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। 10

4. ज्ञान की देवी सरस्वती से निराला ने क्या याचना की है? 'वर दे, वीणावादिनि वर दे!' कविता के आधार पर वर्णन कीजिए।

   अथवा

   'बालिका का परिचय' कविता का सार लिखिए। 10

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए:

   (क) आधुनिक भारतीय भाषाएँ

   (ख) आदिकाल का नामकरण

   (ग) कृष्ण-काव्य की विशेषताएँ

   (घ) रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

   (ङ) छायावादी काव्यधारा

   (च) हिन्दी कहानी। 5×3=15